# युवाओं को रोजगार दिलाने में सहायक होगा कौशल अधिकार विकास कानून : अमन

## भारतीय प्रबंध संस्थान में विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम

नवभारत ब्यूरो । रायपुर.

सूचना प्रौद्योगिकी, आवास व पर्यावरण विभाग और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव तथा नया रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) के अध्यक्ष अमन कुमार सिंह ने कहा है कि युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार दिलाने के लिए छत्तीसगढ़ का कौशल अधिकार विकास कानून सहायक होगा. श्री सिंह शुक्रवार को भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) में आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों को संबोधित कर रहे थे. यह कार्यक्रम प्रबंधन में स्नातकोत्तर के नौवें बैच और प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम के सातवें बैच के लिए आयोजित किया गया.

श्री सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि प्रबंधन के क्षेत्र में अपने को योग्य और बेहतर बनाने के लिए हर तरह की कौशल विधा से भली-भांति परिचित होना जरूरी है. श्री सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य की प्रमुख नीतियों पर प्रकाश डाला. उन्होंने युवाओं के लिए कौशल उन्नयन की नीति का विशेष रूप से उल्लेख किया और कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जिसने विधानसभा में कानून बनाकर अपने राज्य के युवाओं को मनपसंद व्यवसायों में प्रशिक्षण पाने का कानूनी अधिकार दिया. श्री सिंह ने कहा कि कौशल उन्नयन का यह कानूनी अधिकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर दिलाने में सहायक होगा.

उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों से भी

छात्र-छात्राओं को अवगत कराया. उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि नया रायपुर 21वीं सदी के भारत का पहला स्मार्ट और हरित शहर के रूप में विकसित हो रहा है. श्री सिंह ने नया रायपुर स्मार्ट सिटी में 14 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों लोकार्पित एकीकृत कमाण्ड एवं नियंत्रण केन्द्र के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि यह देश का पहला ऐसा केन्द्र है, जहां आधुनिक संचार उपकरणों के जरिए नया रायपुर के निवासियों की बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छता आदि की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा. उन्होंने आईआईएम के विद्यार्थियों को नया रायपुर तथा वहां के एकीकृत कमाण्ड एवं नियंत्रण केन्द्र का अध्ययन भ्रमण करने के लिए भी आमंत्रित किया.

कार्यक्रम में आईआईएम रायपुर के निदेशक भरत भास्कर ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को पाने के लिए हमेशा नए जोश और जुनून के साथ अध्ययन करना चाहिए. उन्होंने इस तथ्य पर विशेष जोर दिया कि परिवर्तन के बिना प्रगति असंभव है. इसके लिए व्यक्ति को समय के अनुरूप अपनी सोच में बदलाव के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए.

संस्थान के प्रबंधन बैच के बारे में डॉ. एसके मित्र ने प्रस्तुतिकरण दिया. दूसरे सत्र की शुरूआत प्रो. सत्यशिवा दास ने की. कार्यक्रम को महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. एसके मित्र, प्रो. सुमित गुप्ता व डॉ. पीआरएस शर्मा तथा संस्थान की एन्टी रैगिंग कमेटी के अध्यक्ष प्रो. समर सिंह ने भी संबोधित किया.

**Navabharat 23rd June 2018, P.07 (Rajdhani)**